आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

पाठ योजना का प्रतिदर्श

पाठ्यक्रम का नाम: बी.ए. प्रोग्राम (डिसिप्लिन–माइनर)					
सेमेस्टर	पाठ्यक्रम व प्रश्न पत्र का कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	लेक्चर (L)	ट्यूटोरियल (T)	क्रेडिट (C)
I (विषम छमाही)	501 व 2052201101	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (M)	01	-	2
अध्यापक	डॉ. रश्मि बहल				
सत्र	2022–2023				

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

- हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय देना।
- हिंदी भाषा के सैद्धान्तिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान देना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम का महत्त्वः

- यह पाठ्यक्रम भाषा के आरम्भ से वर्तमान तक के विविध आयामों को प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
- हिंदी साहित्य के इतिहास के प्रति आलोचनात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास को संतुलित रूप से समझा जा सकेगा।
- विद्यार्थी प्रमुख इतिहास ग्रंथो से परिचित हो सकेंगे। और उन्हें आदिकाल और मध्यकाल के इतिहास की विस्तृत जानकारी हो सकेगी।

शिक्षण योजना/पाठ योजना :

इकाई क्रमांक	सीखने का उद्‌देश्य	लेक्चर संख्या	पढ़ाये जाने वाले विषय
1(क)	**हिंदी भाषा का विकासः सामान्य परिचय** – हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और उसके उत्तरोत्तर विकास की जानकारी	1.	भाषा की परिभाषा तथा अभिलक्षण 'हिन्दी' शब्द की व्युत्पत्ति, हिन्दी का उद्‌भव और विकास
		2.	हिंदी भाषा – इसकी उप–भाषाओं और बोलियों का वर्णन

		3.	हिंदी भाषा का विकास (ध्वनि, व्याकरण, शब्द भण्डार और साहित्य के आधार पर0)
		4.	"
		5.	हिंदी भाषा का वर्गीकरण व विकास (आदिकालीन हिंदी) मध्यकालीन हिंदी और आधुनिककालीन हिंदी के रूप में)
		6.	"
(ख)	<u>हिन्दी साहित्य का इतिहासः आदिकाल</u> – आदिकाल के काल विभाजन, नामकरण व प्रवृत्तियों का सामग्रिक परिचय	7.	आदिकाल की पृष्ठभूमि और काल विभाजन
		8.	"
		9	आदिकाल का नामकरण
		10	"
		11.	आदिकाल की **प्रमुख प्रवृत्तियों** का उद्घाटन – **धार्मिक साहित्य** (सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य), **लौकिक साहित्य** व **रासो साहित्य** की पूर्ण

			जानकारी
		12.	"
		13	"
		14	"
		15	आदिकाल की शिल्पगत विशेषताएँ

मूल्यांकन योजनाः

क्रमांक	मूल्यांकन	अवधि	पूर्णांक
1.	**आंतरिक मूल्यांकन** • कक्षा–परीक्षण • सतत् मूल्यांकन • असाइनमेंट • उपस्थिति		25
2.	सत्र के अंत में मुख्य परीक्षा का आयोजन	3 घण्टें	75

पाठ्यक्रम का विवरण:

इकाई	अंतर्वस्तु	शिक्षण अवधि
1.	**प्रथम इकाई** के 'क' भाग के अन्तर्गत **हिंदी भाषा की व्युत्पत्ति, उत्पत्ति और उसकी विकास यात्रा** का वर्णन किया जायेगा। हिन्दी भाषा की उपभाषाओं और बोलियों का परिचय दिया जायेगा। हिंदी भाषा को आदिकालीन हिन्दी, मध्यकालीन हिंदी और आधुनिक हिंदी में विभाजित कर उसके समग्र विकास की जानकारी जायेगी। इसी इकाई के 'ख' भाग में **आदिकाल** की सामाजिक, राजनीतिक व साहित्यिक पृष्ठभूमि, **काल विभाजन** और **नामकरण** के विषय में विस्तृत जानकारी दी जायेगी। **आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों** व विशेषताओं को वर्णित किया जायेगा। धार्मिक साहित्य के अन्तर्गत–सिद्ध, नाथ व जैन साहित्य का पूर्ण परिचय दिया जायेगा। तत्युगीन रासो साहित्य की रासो काव्य परंपरा और लौकिक साहित्य की प्रवृत्तियों का भी उदघाटन होगा। आदिकाल की शिल्पगत विशेषताओं में कथात्मक शैलियों, कथात्मक–रूढ़ियों, काव्य रूप व भाषा पर विचार किया जायेगा।	15 घण्टे
	कुल	15 घण्टे

प्रस्तावित पुस्तके:

इकाई	पुस्तकों / लेखकों / प्रकाशकों के नाम	प्रकाशन / पुनर्प्रकाशन वर्ष
1.	हिंदी साहित्य का इतिहास (आ. रामचन्द्र शुक्ल ग्रंथावली – पहला भाग) – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी	1968
2	हिंदी साहित्य का इतिहास – सं0 डॉ0 नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग, हाउस, नई दिल्ली ।	1978
3.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती 'प्रकाशन, इलाहाबाद	1986
4.	हिंदी साहत्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	2007
5.	सामान्य भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – मुकेश अग्रवाल, के.एल. पचौरी प्रकाशन	2006

मूल्यांकन का तरीका	आंतरिक मूल्यांकन	विषम छमाही के अंत मे परीक्षा